

प्रेषक,

भास्करानन्द,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,

टिहरी गढ़वाल एवं चमोली।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 16 मार्च, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्रभावितों को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराये जाने तथा अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान इत्यादि मदों के अंतर्गत धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल के पत्र संख्या-1057/13-मु0रा0ले0/दै0आ0/14-15, दिनांक 27.10.2014 एवं जिलाधिकारी, चमोली के पत्र संख्या-1893/तेरह-18(2013-14), दिनांक 16.01.2015 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के दृष्टिगत प्रभावितों को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान इत्यादि मदों के अंतर्गत जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल को ₹ 100.00 लाख एवं जिलाधिकारी, चमोली को ₹ 05.00 लाख, इस प्रकार कुल ₹ 105.00 लाख (₹ एक करोड़, पांच लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखे जाने तथा नियमानुसार एवं आवश्यकतानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान की मदों में ही नियमानुसार व्यय की जायेगी एवं अवशेष धनराशि वित्तीय वर्ष के अन्त में शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 2- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस प्रयोजन हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। धनराशि का गलत उपयोग होने पर संबन्धित जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।
- 3- स्वीकृत धनराशि का वितरण तत्परतापूर्वक कराया जायेगा, जिससे प्रभावितों में शीघ्रातिशीघ्र राहत राशि का वितरण सुनिश्चित हो सके।
- 4- प्रभावितों की सम्यक पहिचान (Identity) एवं पुष्टि के बाद ही स्वीकृत राहत सहायता का वितरण किया जाये। राहत सहायता वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता एवं दोहराव (Duplicacy) की स्थिति पाये जाने पर संबन्धित जिलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2015 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का कोषागार से आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाये और यदि

34

सं.प्र.श:-2

उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वह उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

7- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 राज्य आपदा मोचन निधि (90% केन्द्र पोषित)-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-00-13 आपदा राहत निधि से व्यय-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या-247 NP/XXVII(5)/2014-15, दिनांक 12 मार्च, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(भास्करानन्द)

सचिव

संख्या-355(1)/XVIII-(2)/15-12(4)/2013 T.C., तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- 3- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- कोषाधिकारी, टिहरी गढ़वाल एवं चमोली।
- 6- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 7- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

Shri

(भास्करानन्द)

सचिव